## संपादकीय

### अंधेरे में उजास की आस

जब बृहस्पतिवार को पूरे देश में पौने चार लाख नये संक्रमितों के मामले सामने आए और साढ़े तीन हजार से अधिक लोगों की मौत हुई, देश में कोरोना संकट की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। तंत्र की संवेदनहीनता देखिये कि इस भयानक होते संकट के बीच पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव जारी था। डरे-सहमे चुनाव कर्मियों के हुजूम के चुनाव सामग्री एकत्र करने के चित्र अखबारों में प्रकाशित हुए। इसी बीच टीकाकरण के तीसरे चरण के लिये ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में भारी उत्साह बताता है कि देश का जनमानस इस संकट में वैक्सीन को ही अंतिम सुरक्षा उपाय के रूप में देख रहा है। पहले ही दिन सवा करोड़ से अधिक नामांकन होना इसी बात का संकेत है। हालांकि देश में पहले दो चरणों में पंद्रह करोड़ लोगों द्वारा वैक्सीन करवाया जा चुका है लेकिन देश की आबादी के अनुपात में यह काफी नहीं है। यहां सवाल यह भी है कि 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाने के लिये क्या वैक्सीन उपलब्ध है? क्या देश की दो वैक्सीन कंपनियां समय से पहले इतने टीके उपलब्ध करा पायेंगी? धीरे-धीरे देश में यह धारणा बलवती होने लगी है कि फिलहाल टीकाकरण ही कोरोना का अंतिम सुरक्षा कवच है। लेकिन तेजी से फैलते संक्रमण के बीच टीकाकरण केंद्रों का सुरक्षित होना भी एक चुनौती है। इस दौरान टीका लगाने की गति में कमी आई है। वहीं महाराष्ट्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ ने कह दिया है कि टीकों की उपलब्धता न होने से वे एक मई से 18 साल से अधिक की उम्र के लोगों को टीका देने में समर्थ नहीं हैं। राजस्थान ने इस वर्ग के लिये सवा तीन करोड़ खुराक की बुकिंग कराई है, लेकिन सीरम इंस्टीट्यूट का कहना है कि वह मई मध्य तक ही ये टीके उपलब्ध करा पायेगा। लॉकडाउन से गुजर रहे महाराष्ट्र ने भी बारह करोड़ खुराक की मांग की है। सरकार ने पिछले दिनों विदेशी टीकों के लिये भी दरवाजे खोले हैं, लेकिन इससे भी मौजूदा जरूरतें पूरी नहीं होती। जाहिर है ऐसे में देश की दोनों वैक्सीन निर्माता कंपनियों को युद्धस्तर पर टीकों का उत्पादन करना होगा। यह अच्छी बात है कि सीरम इंस्टीट्यूट के टीके के लिये जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति पर अमेरिका ने रोक हटा दी है। ऐसे में जरूरी है कि संकट की स्थिति को देखते हुए देश में उपलब्ध टीका निर्माण क्षमता का उपयोग करके अन्य कंपनियों से भी सहयोग किया जाना चाहिए। साथ ही जो अन्य टीके अंतिम चरण में हैं, उन्हें स्वीकृति की जटिल प्रक्रिया से राहत देने का प्रयास करना चाहिए। यह इसीलिये भी जरूरी है कि कुछ राज्यों ने तीसरे चरण के टीकाकरण को टीकों की आपूर्ति में कमी और अनुपलब्धता के चलते टालने का मन बनाया है। इस बीच एक अच्छी खबर यह है कि अमेरिका के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. फाउची ने कहा है कि भारत में बनी कोवैक्सीन भारत में कहर बरपा रहे नये वेरिएंट बी.1.617 के खिलाफ असरदार है। उन्होंने कहा कि भारत में जिन लोगों ने यह वैक्सीन ली है, उनके विश्लेषण में पाया गया है कि कोवैक्सीन ज्यादा असरदार है। इस मुहिम के बावजूद एक दुखद पहलू यह है कि देश में राजनीतिक नेतृत्व इस संकट की घड़ी में एकजुट नहीं है और क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों के लिये निर्लज्ज राजनीति का प्रदर्शन कर रहा है जो राजनेताओं की संवेदनहीनता को ही उजागर करता है। यह एक हकीकत है कि देश का स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा चरमरा चुका है। जो बताता है कि संकट की भयावहता को राजनीतिक नेतृत्व ने गंभीरता से नहीं लिया और उनकी प्राथमिकता चुनावों तक ही सीमित रही है। ऐसे वक्त में जब दुनिया के तमाम मुल्क भारत में कोविड संक्रमितों की मदद के लिये आगे आ रहे हैं, भारतीय राजनीति के क्षत्रप राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में लगे हैं। पंजाब में आसन्न चुनाव के लिये सत्तारूढ़ दल के दिग्गजों के बीच टकराव की खबरें हाल ही मीडिया में सुर्खियां बनती रहीं जबकि संकट की घड़ी में उनकी प्राथमिकता महामारी के पीड़ितों के जख्मों पर मरहम लगाने की होनी चाहिए।

# कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच बड़े पैमाने पर प्रवास शुरू, अप्रैल में दोगुनी हुई नौकरियों की मांग

**नईदिल्ली ।** कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच, गांवों में बड़े पैमाने पर रिवर्स माइग्रेशन का संकेत देते हुए, एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि ग्रामीण रोजगार योजना या एसबीआई के तहत घरों द्वारा काम की मांग अप्रैल में लगभग दोगुनी हो गई है। राष्ट्रीय स्तर पर आंतरिक स्रोत या रिवर्स माइग्रेशन पर कोई आधिकारिक डेटा एकल स्रोत सूचना केंद्र के साथ नहीं है।देश अब दो सप्ताह से अधिक समय से दैनिक कोरोनावायरस संक्रमण कैसियोलाड और मौत की सूची में सबसे ऊपर है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए नवीनतम आंकड़ों में केहा गया है कि देश ने पिछले 24 घंटों में 3,86,452 नए संक्रमणों के साथ एक नया दैनिक कैसियोलाड दर्ज किया, जो कि 1,87,62,976 तक पहुंच गया, जबकि सक्रिय मामलों ने 31 को पार कर लिया। -लख

चिह्न।3,498 नए लोगों के साथ मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,08,330 हो गई, शुक्रवार को सुबह 8 बजे अपडेट किया गया। सक्रिय मामले भी 31,70,228 हो गए हैं, जिसमें कुल संक्रमण का 16.90 प्रतिशत शामिल है।

अप्रैल में जीएसटी राजस्व संग्रह हाई 1.41 लाख करोड़ के उच्च रिकॉर्ड स्तर पर हैभारत में ईंधन की बिक्री अप्रैल में खराब हो सकती है लेकिन कुछ राज्यों में चुनावों के लिए मांग बढ़ी है।कोविद -19 महामारी की दूसरी लहर के बीच भारत में तेल की मांग घट गई

जैसा कि हर रोज मामले बढ़ते हैं, राष्ट्र सीम पर तड़क रहा है क्योंकि अस्पतालों में सांस के लिए रोगियों की भीड़ होती है क्योंकि उनके पास पर्याप्त ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं होती है, और इसलिए श्मशान और प्रमुख शहरों में दफन मैदान हैं। ऑक्सीजन की चाह में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि ड्रग्स की चाह में हर दिन सैकड़ों लोग मर रहे हैं।

## एफपीआई ने निकाले 8,836 करोड़ रुपये

**मुंबई ।** विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने चालू वित्त वर्ष में भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 118.56 करोड़ डॉलर (करीब 8,836) करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 के पहले महीने में अप्रैल में एफपीआई ने घरेलू पूंजी बाजार में 1,65,633.63 करोड़ रुपये लगाये जबकि 1,74,469.53 करोड़ रुपये निकाले। प्रकार उन्होंने शुद्ध रूप से 8,836 करोड़ रुपये की निकासी की। इसमें सबसे अधिक पैसा एफपीआई ने शेयर बाजार से निकाला है। उन्होंने शुद्ध रूप से 129.39 करोड़ डॉलर (9,659.14 करोड़ रुपये) के शेयरों की बिकवाली की। डेट में भी उन्होंने बिकवाली की जबकि डेट-वीआरआर और हाइब्रिड में वे शुद्ध लिवाल रहे।

## विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से अप्रैल में 9,659 करोड़ रुपए निकाले!

**नईदिल्ली ।** विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजारों में छह महीने से जारी खरीददारी का दौर अप्रैल में थम गया। विदेशी निवेशक अप्रैल माह में शुद्ध बिकवाल रहे और माह के दौरान उन्होंने भारतीय शेयर बाजारों से 9,659 करोड़ रुपए की निकासी की। भारत में कोरोना वायरस की गंभीर लहर और उसके अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुये विदेशी निवेशकों ने अपना यह रुख बदला। माईवेल्थग्रोथ.कॉम के सह संस्थापक हर्षद चेतनवाला के अनुसार विदेशी निवेशकों में कोविड-19 संकट का भय यदि बढ़ता है तो विदेशी निवेशकों के अपनी हिस्सेदारी बेचने का चलन जोर पकड़ सकता है और बाजार में थोड़ी और उथल-पुथल आ सकती है। डिपॉजिटरी के पास मौजूद आंकड़े के मुताबिक पिछले महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय इक्विटी बाजार से 9,659 करोड़ रुपए की पूंजी निकाली। सितंबर, 2020 के बाद से पहली बार इस स्तर पर पूंजी की निकासी की गई। तब 7,782 करोड़ रुपए की निकासी की गई थी। अप्रैल से पहले अक्तूबर, 2020 और मार्च, 2021 के बीच एफपीआई ने इक्विटी में 1.97 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया था।

## खाद्य तेलों, चीनी में तेजी, अनाजों, दालों में घटबढ़

**नईदिल्ली ।** विदेशों में खाद्य तेलों में घटबढ़ के बीच बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में इनमें उबाल देखा गया। तेलों के साथ चीनी और गुड़ के दाम भी बढ़ गये जबकि दालों और अनाजों में मिश्रित रुख रहा।

**तेल तिलहन :** विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 60 रिंगिट टूटकर 3,869 रिंगिट प्रति टन रह गया। वहीं, जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 3.56 सेंट की बढ़त के साथ सप्ताहांत पर 62.39 सेंट प्रति पाउंड बोला गया।

## रिलायंस है तरल ऑक्सीजन का सबसे बड़ा उत्पादक

**नईदिल्ली ।** रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), भारत की सबसे लाभदायक निजी फर्मों में से एक है, जिसने अपने संसाधनों को युद्ध स्तर पर कोरोनोवायरस बीमारी (कोविद -19) में लगातार ऑक्सीजन संकट का मुकाबला करने के लिए रोक दिया है, कंपनी ने कहा कि शनिवार को एक बयान। रिलायंस ने कहा कि यह अब भारत का एक ही स्थान से मेडिकल-ग्रेड तरल ऑक्सीजन का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है

जो कि कंपनी के अध्यक्ष मुकेश अंबानी व्यक्तिगत रूप से गुजरात के जामनगर में उत्पादन और परिवहन प्रयासों के पैमाने की

निगरानी कर रहा है। बयान में कहा गया है, अप्रैल 2021 में, रिलायंस ने 15,000 मीट्रिक टन मेडिकल-ग्रेड तरल ऑक्सीजन की मुफ्त आपूर्ति की, जिससे लगभग 15 लाख मरीजों को मदद मिली।रिलायंस ने कहा कि उसने प्रतिदिन औसतन एक लाख से अधिक लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए मेडिकल-ग्रेड लिक्विड ऑक्सीजन का उत्पादन शून्य से 1,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन किया है। कंपनी ने कहा कि मेडिकल ग्रेड लिक्विड ऑक्सीजन के कुल उत्पादन में भारत की 11त्न हिस्सेदारी है।

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 119 के प्रावधानों के तहत, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने अनुपालन में ढील दी है।केंद्र कोविद -19 के मद्देनजर कर संबंधी अनुपालन तिथियों का विस्तार करता है। विवरण की जाँच करेंविशेषज्ञों का विचार है कि बिजली की खपत में वृद्धि के साथ-साथ अप्रैल में मांग मुख्य रूप से पिछले वर्ष आधार क्षरण के कारण हैअप्रैल में भारत की बिजली खपत 41त्न बढ़ जाती है।

## स्पाइसजेट ने कर्मचारियों की 50 फीसदी तक सैलरी रोकी

**मुंबई।** कोरोना की मार कर्मचारियों पर पडऩी शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि स्पाइसजेट ने अप्रैल में बड़ी संख्या में कर्मचारियों का 50 फीसदी तक वेतन रोका है। सूत्रों के मुताबिक पायलट और केबिन क्रू सहित कर्मचारियों का अप्रैल का वेतन 10 से 50 फीसदी तक रोका गया है। विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसके अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अजय सिंह अप्रैल में कोई वेतन नहीं लेंगे।

विमानन कंपनी यह सुनिश्चित कर रही है कि कम वेतनमान वाले कर्मचारियों को वेतन टाले जाने से कोई दिक्कत न हो और उन्हें पूरा वेतन दिया जाएगा। उन्होंने कहा, सीएमडी ने अपना पूरा वेतन छोडऩे का फैसला किया है। यह केवल एक अस्थाई उपाय है और कंपनी द्वारा रोके गए वेतन का भुगतान हालात पूरी तरह सामान्य होने के बाद किया जाएगा।

दरअसल कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर से विमानन क्षेत्र भी प्रभावित हुआ है, क्योंकि हवाई यात्रियों की संख्या में काफी कमी आई है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि किसी भी कर्मचारी के वेतन में कोई कटौती नहीं होगी। विमानन कंपनी यह सुनिश्चित कर रही है कि कम वेतन मान वाले कर्मचारियों को वेतन टाले जाने से कोई दिक्कत न हो और उन्हें पूरा वेतन दिया जाएगा।

## अपनी पहली वेब सीरीज को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं सुपरस्टार अजय देवगन

बॉलीवुड के सबसे मशहूर अभिनेताओं में से एक अजय देवगन हर साल अपने फैंस के लिए एक दो फिल्में जरूर लेकर आते हैं। लेकिन कोरोना महामारी की वजह से फिर पिछले 1 साल से मजबूर हो गए थे। लेकिन अब यह अपना रुक डिजिटल प्लेटफॉर्म की तरफ कर चुके हैं। और अपने फैंस का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो चुके हैं।

15 अगस्त को अजय देवगन की फिल्म भेजो द प्राइड ऑफ इंडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म डिजनी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है। बता दें कि इस फिल्म की कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के वक्त की है। इस इस फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे उस वक्त गुजरात के एक गांव की 300 महिलाओं ने बमबारी में तबाह हुए एयरबेस को फिर से बनाने में भारतीय वायुसेना की मदद की। फिल्म की कहानी सच्ची घटना पर आधारित है और इस फिल्म में अजय देवगन का साथ सोनाक्षी सिन्हा नोरा फतेही शरद केलकर जैसे कलाकार दे रहे हैं। यह फिल्म अभी रिलीज ही नहीं हुई तो वहीं अजय देवगन

अपनी एक वेब सीरीज की घोषणा कर चुके।

अजय देवगन कुछ दिनों पहले अपने इंस्टाग्राम पर फैंस को एक सरप्राइज देने को कहा था और अगले ही दिन अपने करियर के पहली वेब सीरीज रूद्र एज ऑफ डार्कनेस की घोषणा कर दी। यह वेबसाइट इस सीरीज लूथर की हिंदी रीमेक है जिसे राजेश मापुस्कर डायरेक्ट कर रहे हैं जिन्होंने फरारी की सवारी जैसी फिल्मों से डेब्यू किया था एक इंटरव्यू में राजेश ने कहा रिस्पांस अमेजिंग है। यहां बहुत सारा एक्साइमेंट है अजय देवगन वेब सीरीज की इस वेब सीरीज को भी डिजनी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा। बता दे अजय देवगन अपने इस डिजिटल डेब्यू को लेकर बहुत ही एक्साइटिड है।

## आज का राशिफल

**मेषः** वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। किसी प्रभावशाली वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

**वृषभः** प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

**मिथुनः** पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

**कर्कः** धनहानि की आशंका बनती है। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त होगा, धैर्य रखें। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। दौड़धूप होगी। विवाद से क्लेश होगा।

**सिंहः** प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

**कन्याः** बुरे लोगों की पहचान जरूरी है। उनसे दूर रहें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक मित्र व संबंधी अतिथियों के रूप में घर आ सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखें।

**तुलाः** रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी से दूर रहें।

**वृश्चिक :** कुसंगति से बचें। धनहानि हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

**धनुः** कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेवजह चिड़चिड़ापन रह सकता है। धनागम होगा। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा।

**मकरः** आंखों को चोट व रोग से बचाएं। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से लगेगा कि अपमान हुआ है।

**कुंभः** चिंता तथा तनाव रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

**मीनः** आशंका-कुशंका के चलते कोई बड़ी गलती हो सकती है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। पुराना रोग उभर सकता है।

## वरीना हुसैन ने सोशल मीडिया को कहा अलविदा

फिल्म अभिनेत्री वरीना हुसैन ने सोशल मीडिया को अलविदा कह दिया है। इसकी घोषणा खुद वरीना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर की। इस पोस्ट में वरीना ने लिखा-मैंने कहीं पर पढ़ा था कि अपने जाने की खबर का अनाउंसमेंट नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह कोई एयरपोर्ट नहीं है। लेकिन ऐसा मैं अपने दोस्तों और फैंस के लिए कर रही हूं, जिनका प्यार मेरे लिए हमेशा मेरी स्ट्रेंथ रहा है। यह मेरा आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट है। लेकिन मेरी टीम मेरे सोशल मीडिया अकाउंट हैंडल करना जारी रखेगी, ताकि आप

सभी को मेरे काम के बारे में अपडेट मिलता रहे। इसके साथ ही वरीना ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा-आमिर सर की भाषा में ढोंग छोड़ दिया।

वरीना की इस पोस्ट के बाद फैंस काफी हैरान हैं और वह कमेंट बॉक्स में प्रतिक्रिया देते हुए पूछ रहे हैं कि आखिर वरीना ऐसा क्यों कर रही हैं।गौरतलब है, वरीना हुसैन ने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म लवयात्री से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में उनके अपोजिट आयुष शर्मा नजर आए थे। इस फिल्म के बाद वरीना सलमान खान की फिल्म दबंग 3 के गाने मुन्ना बदनाम हुआ में भी नजर आई थी। वरीना के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म द इनकंप्लीट मैन में नजर आयेंगी। इस फिल्म की शूटिंग वरीना ने हाल ही में पूरी की है।

## जानबूझकर ग्लैमरस किरदारों से दूर नहीं गई : नुसरत

प्यार का पंचनामा, सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी फिल्मों से मशहूर हुई अभिनेत्री नुसरत भरूचा छलांग और अजीब दास्तांस जैसी फिल्मों में डी-ग्लैम किरदारों में नजर आई। हालांकि नुसरत का कहना है कि ऐसा उनके द्वारा जानबूझकर नहीं किया गया है। नुसरत ने बताया, ऐसा मैंने सोच-समझकर या जानबूझकर नहीं किया है। मुझे पता है कि मैंने एक तरह की ही फिल्में की हैं, लेकिन मैंने कभी इसे इस नजर से नहीं

देखा है। मैंने इन्हें हमेशा अलग-अलग किरदारों की ही नजर से देखा है। इन किरदारों को एक से अलग दिखाने के लिए मुझे हर बार कड़ी मेहनत करनी पड़ी है, जो कि कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि शैली एक सी होने के बावजूद भी आप अपने किरदार को अपने दम पर अलग दिखाते हैं। फिल्म अजीब दास्तांस में नुसरत जिस कहानी का हिस्सा हैं, उसका शीर्षक खिलौना है। इसमें उनके साथ अभिषेक बनर्जी और चाइल्ड आर्टिस्ट इनायत वर्मा हैं।

## बिना अवन के घर पर ही बनाएं टेस्टी और हेल्दी पिज्ज़ा

### सामग्री :

दो कप मैदा, एक चौथाई कप दही, दो टीस्पून ऑयल, आधा टीस्पून बेकिंग सोडा, आधा टीस्पून बेकिंग पाउडर, आधा टीस्पून चीनी, आधा टीस्पून नमक

### विधि :

एक बाउल में मैदा, दही, ऑयल, बेकिंग पाउडर, चीनी, नमक, बेकिंग सोडा डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए नरम आटा गूंध लें। हाथ में थोड़ा सा तेल डालकर आटे को चिकना कर लें और एक घंटे के लिए सेट होने के लिए रख दें। आटे को अच्छी तरह ढककर रखना है। एक घंटे बाद फिर से हल्का मलते हुए आटे को चिकना कर लें। अब इसे दो भागों में बांट लें और इसकी लोई बनाकर सूखे मैदे का इस्तेमाल करते हुए इसे बेल लें। एक फ्लैट प्लेट पर ऑयल लगाएं और बेली गई मैदे की रोटी को इस प्लेट पर रख दें। अब फोर्क की मदद से इस पर होल बना लें। पिज्जा के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वेजिटेबल में आप तीनों तरह की कटी हुई शिमला मिर्च, गाजर, मटर, प्याज, स्वीट कॉर्न ले सकते हैं। अब सबसे पहले रोटी पर अच्छी तरह से पिज्जा सॉस लगा लें। इसके ऊपर मोजरेला चीज़ डालें। अपने स्वादानुसार कम या ज्यादा कर लें। फिर इस पर वेजिटेबल्स की लेयर्स बिछाएंगे। शिमला मिर्च, गाजर, प्याज, मटर, स्वीट कॉर्न। एक बार फिर से ऊपर चीज़ डालेंगे। चीज़ के ऊपर भी तीनों कलर की शिमला मिर्च लगा दें। उसके ऊपर नमक, भुना जीरा, चाट मसाला, काली मिर्च, चिली फ्लेक्स, ऑरगेनो डाल दें। कढ़ाई को गरम करें और इसमें अच्छी-खासी मात्रा में नमक डालें क्योंकि नमक के द्वारा ही इसे पकाना है। नमक के ऊपर स्टेंड रखना होगा क्योंकि उसके ऊपर पिज्जा वाली प्लेट रखना है। गैस की आंच धीमी कर दें। पिज्जा बनने में कम से कम 20-25 मिनट का टाइम लगेगा। बीच-बीच में इसे चेक करते रहें। टाइम पूरा होने के बाद अपने पिज्ज़ा को कड़ाही से निकालें और गरमा-गरम सर्व करें।

## शब्द सामर्थ्य- 67

**बाएं से दाएं**
1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

**ऊपर से नीचे**
1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

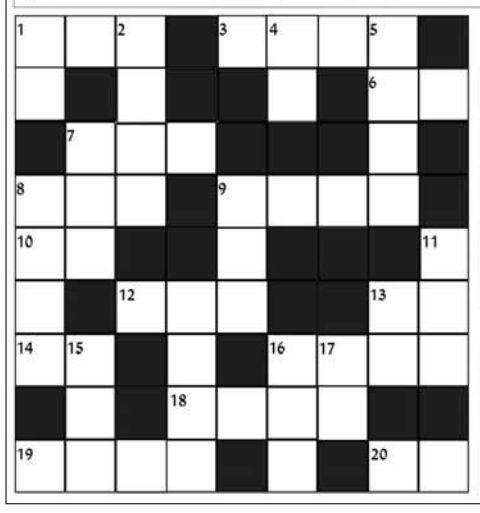

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 66 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ला | लू | प्र | सा | द | या | द | व | |
| प | | ति | | | र | क्ष | क | |
| र | ह | मा | न | | | | | आ |
| वा | | | मि | थु | न | | दा | स |
| ह | वा | ला | त | | सी | ता | | पा |
| | न | | | | ब | क | वा | स |
| औ | र | त | | म | | त | | |
| ला | | बे | च | ना | | व | च | न |
| द | ह | ला | | ना | ग | र | | दी |

## सू-दोकू- 67

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 7 | | | | 1 | | 3 | |
| 1 | | 9 | | | | 5 | | |
| | | | 3 | | | | 1 | |
| | | 5 | | | | | | 3 |
| 3 | | | | | 2 | | 5 | |
| | | | | 3 | | | | 2 |
| | 4 | | | | | | 7 | |
| 7 | | 8 | | 1 | | 6 | | |
| | 6 | | 7 | | 9 | | | 1 |

**नियम**
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

### सू-दोकू क्र.66 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 2 | 4 | 9 | 6 | 7 | 8 | 1 | 3 |
| 3 | 6 | 7 | 4 | 1 | 8 | 2 | 9 | 5 |
| 8 | 1 | 9 | 3 | 2 | 5 | 4 | 6 | 7 |
| 6 | 3 | 5 | 1 | 9 | 4 | 7 | 2 | 8 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 | 6 | 4 | 1 |
| 2 | 4 | 1 | 7 | 8 | 6 | 5 | 3 | 9 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 8 | 2 |
| 9 | 8 | 6 | 2 | 5 | 1 | 3 | 7 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 |